छात्राओं को दिया गति शक्ति का उपहार

रोटरी क्लब भोपाल हिल्स ने 'प्रोजेक्ट पंख' के तहत आयोजन

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग रहे मौजूद

भोपाल, 24 नवंबर. भोपाल रोटरी क्लब भोपाल हिल्स द्वारा प्रोजेक्ट पंख के अंतर्गत शहर के सभी रोटरी क्लबों के सहयोग से 100 से अधिक ज़रूरतमंद छात्राओं और महिलाओं को साइकिलें वितरित की गईं, जिसमें कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर इस पहल को महिला सशक्तिकरण की दिशा में अत्यंत सराहनीय बताया.

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सहित फर्स्ट लेडी, डीजी-इलेक्ट, डीजी नॉमिनी और पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर्स की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई.

रोटरी क्लब भोपाल हिल्स के अध्यक्ष रोटेरियन हर्ष मित्तल और सचिव रोटेरियन के नेतृत्व में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. पूरे कार्यक्रम का संचालन इवेंट चेयर रोटेरियन रमेश खेड़ा ने किया तथा कोऑर्डिनेशन की जिम्मेदारी रोटेरियन म्रदुल मित्तल ने निभाई. साइकिल प्राप्त करते समय लाभार्थी छात्राओं और महिलाओं के चेहरों पर उभरे प्रसन्नता और आत्मविश्वास के भाव इस सेवा परियोजना की वास्तविक सफलता का प्रतीक बने.

चैंपियनशिप की तैयारियों का मंत्री सारंग ने किया निरीक्षण

भोपाल, 24 नवंबर. भोपाल के बड़े तालाब में खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा भारतीय रोइंग संघ के तत्वावधान में 8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर्स एवं 45वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का आयोजन 26 से 30 नवंबर तक किया जा रहा है. इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में 23 राज्यों के लगभग 500 खिलाड़ी प्रतिभागिता करेंगे.खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को आयोजन स्थल पहुंचकर तैयारियों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएँ अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए, जिससे देशभर से आने वाले खिलाडियों और अधिकारियों को उत्कृष्ट अनुभव प्राप्त हो सकें. निरीक्षण के दौरान मंत्री सारंग ने आयोजन स्थल की व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधों, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण क्षेत्रों, उपकरणों की उपलब्धता एवं तकनीकी तैयारियों का अवलोकन किया. मंत्री सारंग ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ 26 नवंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया जाएगा. उन्होंने कहा कि बड़े तालाब के प्राकृतिक और अद्भुत सौंदर्य के बीच होने वाली यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों और दर्शकों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करेगी. मंत्री सारंग ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का मध्यप्रदेश प्रमुख केंद्र बन रहा है.

राजभाषा उत्कृष्टता में मिला द्वितीय पुरस्कार

बीएचईएल संवाददाता

भोपाल, 24 नवंबर. बीएचईएल भोपाल इकाई को वर्ष 2024-25 के दौरान क और ख क्षेत्र की बड़ी इकाइयों की श्रेणी में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है.

यह सम्मान बीएचईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के. सदाशिव मूर्ति द्वारा नई दिल्ली स्थित कॉर्पोरेट कार्यालय में आयोजित प्रबंध समिति की बैठक में प्रदान किया गया. बीएचईएल भोपाल की ओर से यह पुरस्कार महाप्रबंधक एवं इकाई प्रमुख प्रदीप कुमार उपाध्याय ने ग्रहण किया.

> बीएचईएल भोपाल में आयोजित एक सादे समारोह में उपाध्याय ने यह पुरस्कार महाप्रबंधक (मा.सं.) ठाकुर उमनाथ सिंह, प्रबंधक (मा.सं.-राजभाषा/सीआईएसएफ समन्वय) पूनम साहू तथा समर्पित राजभाषा टीम को सौंपा. यह सम्मान इकाई की राजभाषा के प्रचार-प्रसार और सुदृढ़ीकरण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

बंसल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट में लगा रक्तदान शिविर

छात्रों को बताया रक्तदान का महत्व

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 24 नवंबर. बंसल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट में एनसीसी, एनएसएस और रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. शिविर के दौरान निदेशक बीआइआरटी डॉ. वी के द्विवेदी ने विद्यार्थियों को रक्तदान के महत्व के लिए प्रेरित किया.

उन्होंने कहा कि युवाओं की ऐसी भागीदारी समाज के लिए ऊर्जा और उम्मीद पैदा करती है. संयुक्त सचिव डॉ संजय जैन और प्रबंध निदेशक पार्थ बंसल ने भी इस पहल की सराहना की और छात्रों द्वारा दिखाई गई जिम्मेदारी की प्रशंसा की. बीआईएसटी के निदेशक डॉ दामोदर तिवारी और बीआइआरटीएस के निदेशक डॉ अमिल सक्सेना ने आयोजन समिति को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे मानवीय कार्य संस्थान की सकारात्मक पहचान को और मजबूत बनाते हैं. शिविर में संकाय सदस्यों ने भी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई. प्रोफेसर हरलीन कौर सोढ़ी और प्रोफेसर दिव्यांशी चौधरी ने रक्तदान कर विद्यार्थियों के लिए प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया. यह शिविर जय प्रकाश अस्पताल की ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ प्रिया पवार के सहयोग से आयोजित किया गया. दिनभर चले इस शिविर में कुल इकसठ यूनिट रक्त एकत्रित हुआ. कार्यक्रम का संचालन सब लेफ्टिनेंट मृत्युंजय सिंह ने किया और खेल अधिकारी हरीश कुमार सिंह ने पूरे आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

गोवा में मप्र की फिल्मों का अनुपम प्रदर्शन

भोपाल, 24 नवंबर. अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव गोवा 2025 में, अतुलनीय मध्यप्रदेश ने अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और रचनात्मक दृष्टि से एक अमिट छाप छोड़ी। अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति, गृह एवं प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिम बोर्ड शिव शेखर शुक्ला के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश की अद्वितीय सृजनात्मक क्षमता और फिल्म-अनुकूल वातावरण को वैश्विक पटल पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

इस प्रतिष्ठित महोत्सव के दौरान, एमपी टूरिम द्वारा बनाई गई दो महत्वपूर्ण फिल्मों—द सितारिस्ट और लोकमाता अहिल्याबाई—का विशेष प्रीमियर हुआ, जिन्होंने न केवल दर्शकों को भाव-विभोर किया, बल्कि समीक्षकों की भी प्रशंसा बटोरी। ये दोनों फिल्में मध्यप्रदेश की आत्मा को दर्शाती हैं। प्रसिद्ध सितारिस्ट सुअनुष्का शंकर द्वारा अभिनित द सितारिस्ट दर्शकों को एक सितार वादक की शांत और गहरी कला-साधना की यात्रा पर ले जाती है। इसकी कहानी में राय की नैसर्गिक सुंदरता—वन, झीलें, पर्वत और ग्रामीण परिवेश—को अत्यंत मनोरम ढंग से दर्शाया गया है। वहीं, एनिमेटेड फिल्म लोकमाता अहिल्याबाई में राजमाता अहिल्याबाई होलकर के न्याय, करुणा और कुशल नेतृत्व के गुणों को सरल और आकर्षक तरीके से नई पीढ़ी तक पहुँचाने का प्रयास है। यह जीवंत चित्र दिखाता है कि क्यों उनका योगदान आज भी प्रदेश और राष्ट्र के सांस्कृतिक जीवन में एक प्रेरणास्रोत बना हुआ है। मध्यप्रदेश की रचनात्मक पहल को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला, जब आईएफएफआई ने द सितारिस्ट के निर्माण के लिए अपर मुख्य सचिव शिव शेखर शुक्ला को सम्मानित किया।

> इस अवसर पर, स्पैन कम्युनिकेशन्स के नरेश खेत्रपाल और लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की निर्देशक डिंपल दुगर को भी उनकी कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए सम्मानित किया गया। अपर मुख्य सचिव शुक्ला ने इस सम्मान पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि ये फिल्में हमारी सांस्कृतिक विरासत की गहराई को संवेदनशील रूप से प्रस्तुत करती हैं, और यह सम्मान हमें और अधिक गुणवत्तापूर्ण सिनेमा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित करता है। इन प्रमुख फिल्मों के साथ ही, मध्यप्रदेश में शूट हुई फिल्म विमुक्त, चंबल और पिंच की भी विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई।

कामधेनु योजना को और पारदर्शी बनाने की जरूरत

मंत्रालय में समीक्षा बैठक में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने दिए निर्देश

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 24 नवंबर. पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने सोमवार को मंत्रालय में बैठक लेकर विभागीय कार्यक्रमों और योजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

पटेल ने विशेष कर गौसंवर्धन गौसंरक्षण तथा प्रदेश में दुग्ध उत्पादन और डेयरी व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिये नई प्रचलित डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के विषय में विस्तृत समीक्षा की.

योजना के प्रावधानों को और अधिक पारदर्शी बनाए जाने के विषय में निर्देशित किया. विभाग में प्रचलित डेयरी प्लस योजना के तहत पशुओं के वितरण व्यवस्था को सुधार किए जाने की आवश्यकता के लिये निर्देश दिए.

बीएचईएल भोपाल ने सेवानिवृत्त अधिकारियों को दी भावभीनी विदाई

बीएचईएल संवाददाता

भोपाल, 24 नवंबर. बीएचईएल, भोपाल के प्रशासनिक भवन में एक सादे एवं गरिमामय समारोह में महाप्रबंधक एवं इकाई प्रमुख प्रदीप कुमार उपाध्याय ने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों और कर्मचारियों को भावभीनी विदाई दी.

सम्मानित किए गए अधिकारियों में पवन कुमार वास्तव, महाप्रबंधक (वित्त); डॉ. (मती) ज्योति एन. आईंद, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (चिकित्सा); संजय कुमार उपाध्याय, अभियंता (टीएक्सएम) सहित पाँच पर्यवेक्षक शामिल थे. समारोह को संबोधित करते हुए उपाध्याय ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को बधाई दी और उनके जीवन की द्वितीय पारी को सार्थक, स्वस्थ और आनंदमय बनाने की प्रेरणा दी. उन्होंने बीएचईएल में उनके दीर्घकालिक समर्पित योगदान के लिए आभार भी व्यक्त किया. इस अवसर पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) टी. यू. सिंह भी उपस्थित रहे और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं. कार्यक्रम स्नेह, सम्मान और शुभकामनाओं के साथ संपन्न हुआ.

जमीन पर दिखाई देने लगा है निवेशकों का बढ़ता विश्वास

सीएम डॉ. यादव ने कहा- औद्योगिक विकास को लगातार मजबूती दे रहे हैं

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 24 नवंबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास की दिशा को एक नई स्पष्टता और मजबूती दे रहे हैं. उनके नेतृत्व में उद्योगों से जुड़े नवाचार अब नीतियाँ और घोषणाओं तक सीमित नहीं रहे, बल्कि वास्तविक परियोजनाओं, निवेशकों के बढ़ते विश्वास और जमीन पर दिखाई देने वाली औद्योगिक गतिविधियों के रूप में सामने आ रहे हैं.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुरुआत से ही यह लक्ष्य तय किया कि मध्यप्रदेश को ऐसा निवेश-अनुकूल राज्य बनाया जाए, जहां उद्योगों को दीर्घकालिक अवसर मिले, युवाओं के लिए रोजगार का विस्तार हो और प्रदेश की अर्थव्यवस्था अधिक स्थिर, सक्षम और टिकाऊ बने. उनकी कार्यशैली की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि वे प्रत्येक नवाचार को व्यावहारिक और क्रियान्वयन-केंद्रित तरीके से आगे बढ़ाते हैं.

> निवेशकों से संवाद, नीतियों का सरलीकरण, प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और औद्योगिक अवसंरचना के विस्तार आदि हर स्तर पर उन्होंने समयबद्ध और परिणाम-केंद्रित कार्य शैली को प्राथमिकता दी है. इसी कारण आज प्रदेश में उद्योग स्थापना की गति पहले की तुलना में तेज दिखाई देती है, बड़े निवेश वास्तविक रूप से जमीन पर उतर रहे हैं और नए रोजगार अवसर निरंतर बढ़ रहे हैं.

बेस्ट स्किल ट्रेनिंग सेंटर की होगी स्थापना

मैनिट और बजाज ऑटो में समझौता

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 24 नवंबर. मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान मैनिट भोपाल ने बजाज ऑटो लिमिटेड के साथ मिलकर इंजीनियरिंग स्किल डेवलपमेंट को नया आयाम देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है. संस्थान में बजाज इंजीनियरिंग स्किल ट्रेनिंग बेस्ट सेंटर की स्थापना के लिए दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ. बजाज ऑटो लिमिटेड अपनी प्रमुख सीएसआर पहल के तहत इस परियोजना में लगभग सत्रह करोड़ रुपये का योगदान देगा.

मैनिट के निदेशक डॉ करुणेश कुमार शुक्ला और बजाज ऑटो लिमिटेड के उपाध्यक्ष सीएसआर सुधाकर गुडिपाती ने दस्तावेजों का आदान प्रदान किया. कार्यक्रम में संस्थान के डॉ एस पी एस राजपूत, डॉ शैलेन्द्र जैन, डॉ खुशहाली, डॉ सुषमा गुप्ता, प्रो अरविंद मित्तल, डॉ अखिलेश बर्वे सहित विभिन्न विभागों के सदस्य उपस्थित रहे.

बेस्ट सेंटर की शुरुआत दो प्रमुख क्षेत्रों से होगी. इनमें एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग रोबोटिक्स और ऑटोमेशन तथा ई मोबिलिटी शामिल हैं.

इन क्षेत्रों के माध्यम से छात्रों को मेकाट्रॉनिक्स, मोशन कंट्रोल, सेंसर टेक्नोलॉजी, ऑटोमेशन में रोबोटिक्स, ईवी चार्जर, बैटरी पैक डिजाइन जैसे उद्योग उन्मुख कौशल का प्रशिक्षण दिया जाएगा.जानकारी के अनुसार आवश्यक प्रयोगशालाओं और उपकरणों की स्थापना का पूरा व्यय बजाज ऑटो उठाएगा. पाठ्यक्रम कंपनी के विशेषज्ञ इंजीनियरों और वरिष्ठ नेतृत्व द्वारा तैयार किया गया है. जिससे उद्योग की बदलती मांगों के अनुरूप प्रशिक्षण सुनिश्चित हो सके. मैनिट के छात्रों को अपनी शैक्षणिक डिग्री के साथ मैनिट और बजाज ऑटो का संयुक्त प्रमाणपत्र भी मिलेगा.

> इससे रोजगार के अवसर और उद्योग में प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ने की उम्मीद है. मैनिट के निदेशक ने इस पहल को इंजीनियरिंग शिक्षा को उद्योग से सीधे जोड़ने वाला ऐतिहासिक प्रयास बताया. बजाज ऑटो के उपाध्यक्ष ने कहा कि यह पहल युवाओं को भविष्य की वैश्विक तकनीकी मांगों के अनुरूप तैयार करने की कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का हिस्सा है. परियोजना के संचालन के लिए मैनिट द्वारा एक परियोजना प्रमुख नियुक्त किया जाएगा जो पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण प्रक्रिया का समन्वय संभालेंगे.

कार्यक्रम | **आत्मनिर्भर भारत के लिए रक्षा प्रौद्योगिकी में सृजन पर संगोष्ठी का आयोजन**

उद्योगों से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की अपेक्षाएं

भोपाल, 24 नवंबर. रक्षा उत्पादन क्षेत्र के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने और शिक्षा जगत, स्थानीय उद्योगों और रक्षा निर्माताओं के बीच सहयोग को मज़बूत करने के प्रयास में, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) को विषय आत्मनिर्भर भारत के लिए रक्षा प्रौद्योगिकी में सृजन संगोष्ठी का आयोजन किया गया.

हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) नाशिक सीईओ साकेत चतुर्वेदी ने मुख्य अतिथि के रूप में संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि, भारत की वास्तविक शक्ति हमारे युवा इंजीनियर्स, अनुसंधान संस्थानों और उद्योग जगत की आपसी साझेदारी में है. यदि हम टेक्नोलॉजी को स्वदेशी रूप से विकसित करने की दिशा में मिलकर कार्य करें, तो आने वाले वर्षों में भारत वैश्विक रक्षा और एविएशन सेक्टर में नेतृत्व स्थापित कर सकता है.

उन्होंने कहा कि एचएएल आज न केवल लड़ाकू विमान विकास में अग्रणी है, बल्कि कई महत्वपूर्ण प्रणालियों को पूरी तरह स्वदेशी बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है. इसके लिए NITTTR जैसे संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है.

निटर के निदेशक प्रो. सी सी त्रिपाठी ने कहा कि मध्य प्रदेश स्वदेशी तकनीकी विकास में मजबूत भूमिका निभाने को तैयार है और NITTTR भोपाल इसमें एक केंद्रीय ज्ञान-सहयोगी संस्थान के रूप में उभर रहा है. एनआईटीटीटीआर भोपाल मध्य प्रदेश के उन संस्थानों की क्षमताओं पर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार कर रहा है जो एचएएल द्वारा आवश्यक उत्पादों के निर्माण और विकास में योगदान दे सकते हैं. आरके भारती ने इस संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि निटर भोपाल की यह पहल सराहनीय है और एविएशन और एयरोस्पेस के क्षेत्र में एचएएल और प्राइवेट इंडस्ट्रीज के बीच में कोऑपरेशन और कोलैबोरेशन जरूरी है.

> डिफेन्स के क्षेत्र में पार्ट्स की आपूर्ति जेट की स्पीड में उपलब्ध होना आवश्यक है. पी.आर बघेल ने फाइटर एयरक्राफ्ट के डिज़ाइन, डेवलपमेंट और सर्टिफिकेशन विषय पर व्याख्यान दिया. डॉ. अजीत भंडाकर ने रक्षा प्रौद्योगिकी में स्वदेशीकरण विषय पर चर्चा की. अन्य अतिथियों में अशोक पटेल, सी.पी शर्मा व निटर भोपाल के डीन डॉ. संजय अग्रवाल, डॉ. मनीष भार्गव, डॉ. पी.के पुरोहित, प्रो. एम.ए. रिज़वी के साथ विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे.

मस्जिद आले मुहम्मद में तीन दिवसीय शोक सभा सम्पन्न

भोपाल . करोंद स्थित मस्जिद आले मुहम्मद में हजरत फातिमा ज़हरा की शहादत की याद में तीन दिवसीय मजलिस ए फातिमा का आयोजन किया गया, जो सोमवार को सम्पन्न हुआ. यह कार्यक्रम अंजुमन आले मुहम्मद की ओर से आयोजित किया गया. नगर के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए.महिलाओं के लिए अलग आयोजित सभा में बिन्तुल हुदा ज़हरा ने संबोधन दिया. अंतिम दिन पुरुषों की सभा में इलाहाबाद से आए मौलाना कौसर अब्बास ने हजरत फातिमा ज़हरा के जीवन और उनके आदर्शों पर विस्तार से जानकारी दी. सभा के बाद प्रतीकात्मक ताबूत की शोभायात्रा निकाली गई जिसमें श्रद्धालुओं ने अत्यंत भावनात्मक रूप से हिस्सा लिया. तीन दिनों के दौरान शहर के अन्य इमामबाड़ों में भी शोक सभाएं आयोजित हुईं. रेलवे स्टेशन स्थित ईरानी इमामबाड़ा में मौलाना मुअफ्फर हसनैन ने संबोधित किया.

92 युवा इंजीनियरों को दिया गया उद्योग-केंद्रित प्रशिक्षण

भोपाल, 24 नवंबर. संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में ग्रेजुएट इंजीनियर्स ट्रेनिंग जीईटी इंडक्शन प्रोग्राम के तहत देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों आईआईटी, एनआईटी सहित इंजीनियरिंग कॉलेजों से आए 92 युवा इंजीनियरों को उद्योग-केंद्रित, गहन और आधुनिक तकनीक आधारित कौशल प्रशिक्षण दिया गया. यह बैच आठ राज्यों से आया था, जिसमें 19 छात्राएँ भी शामिल रहीं.

इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य युवाओं को वास्तविक औद्योगिक वातावरण, प्रक्रियाओं और तकनीकों का प्रशिक्षण देना था. कार्यक्रम के दौरान मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और इंस्ट्रूमेंटेशन क्षेत्रों में विस्तृत हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी गई, जिसमें मशीन संचालन, ऊर्जा प्रबंधन, औद्योगिक सुरक्षा, डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम, प्रोसेस ऑप्टिमाइज़ेशन और प्रिसीजन इंजीनियरिंग जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल थे.

> इन मॉड्यूल्स ने प्रतिभागियों को आधुनिक उद्योगों की मांगों के अनुरूप व्यावहारिक कौशल विकसित करने में मदद की. यह पहल ग्लोबल स्किल्स पार्क में इंडस्ट्री की मांग के अनुसार कौशल प्रशिक्षण सहयोग की प्रतिबद्धता को दर्शाती है. अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ, विश्वस्तरीय अवसंरचना और विशेषज्ञ प्रशिक्षकों की सक्रिय भागीदारी ने युवाओं को वास्तविक समय में काम करने का अनुभव प्रदान किया.